By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-1

Topic-Meaning of Democracy

Class-B.A Degree-1(Hons.,P-1)

Subject-Political Science

Date-13 October,2020

लोकतंत्र का अर्थ एवं परिभाषा :-

आज प्रजातंत्र एक युगधर्म बन चुका है। अब वर्तमान काल को 'साधारण आदमी का युग' कहा जाता है। इसने शासन-तन्त्रों का स्वरूप बदला है और साम्राज्यों को धाराशायी किया है।

प्रजातंत्र शब्द अंग्रेजी भाषा के डेमोक्रेसी (democracy) शब्द का हिन्दी रूपांतर है। अंग्रेजी का यह शब्द 'डेमोक्रेसी' दो ग्रीक शब्दों डिमॉस (demos) और

क्रेटिया (kratia) से बना है। इन दोनों शब्दों का अर्थ क्रमशः जनता और शासन होता है। इसलिए व्युत्पत्ति की दृष्टि से प्रजातंत्र का अभिप्राय जनता के शासन से है।

हेरोडोटस - प्रजातंत्र उस शासन का नाम है जिसमें राज्य की सर्वोच्च शक्ति सम्पूर्ण जनता में निवास करती है।

सीले - प्रजातंत्र वह शासन है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का एक भाग होता है।

लिंकन - प्रजातंत्र का अर्थ जनता का, जनता के लिए और जनता के द्वारा किया गया शासन है।

इन परिभाषाओं में अमेरिकी भूतपूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की परिभाषा अधिक व्यापक और उपयुक्त है।

<u>प्रजातंत्र के भेद</u> :-

प्रजातंत्र के दो भेद होते है —

1) प्रत्यक्ष प्रजातंत्र - प्रत्यक्ष प्रजातंत्र शासन का वह रूप है, जहाँ सम्पूर्ण जनता स्वयं शासन में भाग लेती है। प्रजातंत्र के इस रूप का दर्शन हमें प्राचीन काल के भारत, चीन, रोम तथा यूनान में होता है। चूँकि प्राचीन काल के राज्य बहुत छोटे थे, इसलिए प्राचीन काल में ही

प्रत्यक्ष प्रजातंत्र की व्यवस्था संभव थी। आज है व्यापक और विशाल राज्य में हम प्रत्यक्ष प्रजातंत्र की उम्मीद नहीं कर सकते है। फिर भी, आज स्विट्जरलैंड के कुछ कैंटनों और में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र के उदाहरण पाए जाते है। प्रत्यक्ष प्रजातंत्र के विभिन्न रूप होते है जैसे- जनमत संग्रह (Referendum), आरंभण, प्रत्यावर्तन, लोक-निर्णय (Plebicite), लैण्डजजिमेन्डे (Landsgemende)।

ii) अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र (Indirect Democracy):- अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र शासन का वह रूप है, जहाँ जनता शासन में प्रत्यक्ष रूप से भाग न लेकर अपने द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों से शासन का संचालन कराती है। इसीलिए इसे प्रतिनिध्यात्मक प्रजातंत्र भी कहते है। इसके अंतर्गत कानून का निर्माण जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा होता है। अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र के विभिन्न रूप होते है जैसे- संसदीय या मंत्रिमंडलात्मक (Parliamentary System), अध्यक्षात्मक (Presidential), संघात्मक (Federal), एकात्मक (Unitary)।